20. भारत के उद्योग

लौह-इस्पात उद्योग

- देश में पहला लौह इस्पात कारखाना 1874 ई. में कुल्टी (पं. बंगाल) नामक स्थान पर बाराकर लौह कम्पनी के रूप में स्थापित किया गया था।
- देश में सबसे पहला बड़े पैमाने का कारखाना 1907 ई. में तत्कालीन बिहार राज्य में स्वर्ण रेखा नदी की घाटी में साकची नामक स्थान पर जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित किया गया था।

स्वतंत्रता के पूर्व स्थापित लौह इस्पात कारखाने -

- भारतीय लौह इस्पात कम्पनी- इसकी स्थापना 19087 ई. में प. बंगाल की दामोदर नदी घाटी में हीरापुर नामक स्थान पर की गयी थी।
- मैसूर आयरन एण्ड स्टील वर्क्स- 1923 ई. में मैसूर राज्य (वर्तमान कर्नाटक) के भ्रदावती नामक स्थान पर स्थापित की गयी थी। इसका वर्तमान विश्वेश्वरैया आयरन एण्ड स्टील क. लि. (टॅब्स) है।
- स्टील कार्पोरेशन ऑफ बंगाल- इसकी स्थापना 1937 ई. बर्नपुर (पं. बंगाल) में की गयी। बाद में 1953 ई. में इसे भारतीय लौह इस्पात कम्पनी में मिला दिया गया।

स्वतंत्रता के पश्चात स्थापित लौह इस्पात कारखाने -

- दूसरी पंचवर्षीय योजना काल (1956-61 ई.) में स्थापित कारखाने-
  - (i) भिलाई इस्पात संयत्र- इसकी स्थापना 1955 ई. में तत्कालीन मध्य प्रदेश के भिलाई (दुर्ग जिला) में पूर्व सोवियत संघ की सहायता से की गयी थी।
  - (ii) हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, राउरकेला-इसकी स्थापना 1953 ई. में उड़ीसा के राऊकेला नामक स्थान पर जर्मनी की सहायता से की गयी थी।
  - (iii) हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, दुर्गापुर- इसकी स्थापना 1956 ई. में पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर नामक स्थान पर ब्रिटेन की सहायता से की गयी थी।
- तृतीय पंचवर्षीय योजना काल में स्थापित कारखाना-
  - (i) बोकारो स्टील प्लान्ट- इसकी स्थापना 1968 ई. में तत्कालीन बिहार राज्य के बोकारों नामक स्थान पर पूर्व सोवियत संघ की सहायता से की गई थी।
- चौथी पंचवर्षीय योजना काल में स्थापित कारखाने-
  - (i) सलेम इस्पात संयत्र- सलेम (तमिलनाडु)।
  - (ii) विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र- विशाखापत्तनम (आन्ध्र प्रदेश)।
  - (iii) विजयनगर इस्पात संयंत्र- हास्पेट बेलारी जिला (कर्नाटक)।
- **स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAIL):** यह भारत सरकार द्वारा **24 जनवरी 1973** को स्थापित एक उपक्रम है। दुर्गापुर, भिलाई, राऊरकेला, बोकारो, बर्नपुर, सलेम, विश्वेश्वरैया आयरन स्टील कम्पनी (1989 से) का प्रबंध न इसी के अधीन है।

एल्युमीनियम उद्योग

- भारत में एल्युमीनियम का पहला कारखाना 1937 ई. में पश्चिम बंगाल में आसनसोल के निकट जे. के. नगर में स्थापित किया गया था।
- हिन्दुस्तान एल्युमीनियम कार्पोरेशन (हिण्डाल्को) की स्थापना तत्कालीन मध्य प्रदेश के कोरबा नामक स्थान पर की गयी।
- मद्रास एल्युमीनियम कम्पनी तमिलनाडु के मेट्टूर नामक स्थान पर स्थापित की गयी।

सूती वस्त्र उद्योग

- आधुनिक ढंग से सूती वस्त्रत की पहली मिल की स्थापना 1818 ई. में कोलकाता के समीप फोर्ट ग्लास्टर में की गयी थी किन्तु यह असफल रही थी।
- सबसे पहला सफल आधुनिक सूती कपड़ा कारखाना 1854 ई. में बम्बई में कवासजी डावर द्वारा खोला गया, जिसमें 1856 ई. से उत्पादन प्रारंभ हुआ।
- मुम्बई को भारत के सूती वस्त्रों की राजधानी के उपनाम से जाना जाता है।
- कानपुर को उत्तर भारत का मैनचेस्टर कहा जाता है।
- कोयम्बटूर को दक्षिण भारत का मैनचेस्टर कहा जाता है।
- अहमदाबाद को भारत का बोस्टन कहा जाता है।

जूट उद्योग

- सोने का रेखा (Golden fibre) के नाम से मशहूर जूट के रेशों से सामानों का निर्माण करने मे भारत का विश्व में प्रथम स्थान प्राप्त है।
- इसका पहला कारखाना कोलकाता के समीप रिशरा नामक स्थान में 1859 ई. में लगाया गया था।

- भारतीय जूट निगम की स्थापना 1971 ई. में जूट के आयात, निर्यात एवं आन्तरिक बाजार की देखभाल के लिए की गयी है।
- भारत सम्पूर्ण विश्व के 35% जूट के सामनों का निर्माण करता है।

5. चीनी उद्योग

- यह उद्योग मुख्यतः उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम, हरियाणा, पश्चिम बंगाल एवं राजस्थान राज्य में है। इन राज्यों के निम्न शहर चीनी उद्योग से संबंधित हैं-

उत्तर प्रदेश	देवरिया, भटनी, पड़रौना, गोरखपुर, गौरी बाजार, सिसवां बाजार, बस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, विजनौर, मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बुलन्दशहर, कानपुर, फैजाबाद एवं मुजफ्फरनगर आदि।
बिहार	मोतीहारी, सुगौली, मझौलिया, चनपटिया, नरकटियागंज, मढ़हौरा, सासामूसा, गोपालगंज, मोतीपुर, डालमियानगर, सारण, समस्तीपुर, दरभंगा, चम्पारण, हसनपुर, मुजफ्फरपुर आदि।
महाराष्ट्र	मनसद, नासिक, अहमदनगर, पूना, शोलापुर एवं कोल्हापुर।
पंजाब	हमीरा, फगवाड़ा, अमृतसर।
हरियाणा	जगधारी एवं रोहतक।
तमिलनाडु	अरकाट, मदुरै, कोटाम्बटूर, तिरुचिरापल्ली।

सीमेन्ट उद्योग

- विश्व में सबसे पहले आधुनिक रूप से सीमेन्ट का निर्माण 1824 ई. में ब्रिटेन के पोर्टलैंड नामक स्थान पर किया गया था।
- भारत में आधुनिक ढंग से सीमेन्ट बनाने का पहला कारखाना 1904 ई. में मद्रास में लगाया गया था, जो असफल रहा।
- मद्रास के कारखाने के बाद 1912-13 ई. की अवधि में इंडियन सीमेन्ट कम्पनी लि. द्वारा गुजरात के पोरबन्दर नामक स्थान पर कारखाने की स्थाना की गयी, जिसमें 1914 ई. से उत्पादन प्रारंभ हुआ।
- एसोसिएट सीमेन्ट कम्पनी लि. (A. C.C.) की स्थापना 1934 ई. में की गयी थी।
- राजस्थान भारत का सबसे बड़ा सीमेन्ट उत्पादक राज्य है।
- भारत के प्रमुख सीमेन्ट उत्पादन राज्य-

राजस्थान	जयपुर, लखेरी।
मध्य प्रदेश	सतना, कटनी, जबलपुर, बनमोर (ग्वालियर), रतलाम।
उत्तर प्रदेश	मिर्जापुर, चुर्क।
झारखंड	डालमियानगर, जपला, खेलारी, कल्याणपुर, सिन्दरी और झींकपानी।
आन्ध्र प्रदेश	कृष्णा, विजयवाड़ा मनचेरियल, मछेरिया, पनयम।
गुजरात	पोरबन्दर द्वारका, सीका (जामनगर), भावनगर, सेवालियम और रानायाय।

कागज उद्योग

- आधुनिक ढंग से भारत में कागज का पहला कारखाना सन् 1716 ई. में मद्रास के समीप ट्रंकवार नामक स्थान पर डॉ. विलियम कोर द्वारा स्थापित किया गया, जो असफल रहा।
- कागज का पहला सफल कारखाना 1879 ई. में लखनऊ में लगाया गया।
- पश्चिम बंगाल भारत का सबसे बड़ा कागज उत्पादक राज्य है।
- कागज के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं-

पश्चिम बंगाल?	टीटागढ़, रानीगंज, नैहाटी, त्रिवेणी, कोलकाता, किनाडा, हुगली, बड़ानगर, शिवराफूली आदि।
आन्ध्र प्रदेश	राजमहेन्द्री, सिरपुर, कागजनगर, तिरुपति आदि।
उत्तर प्रदेश	सिकन्दराबाद, मेरठ, सहारनपुर, पिपराइच, मुजफ्फपुरनगर, पिलखुआ, लखनऊ, नैनी (इलाहाबाद) आदि।
बिहार	पटना, बरौनी, समस्तीपुर आदि।
मध्य प्रदेश	नेपानगर (अखबारी कागज बनाने का सरकारी करखाना)।

रासायनिक उर्वरक उद्योग

- ऐतिहासिक रूप से देश में सुपर फॉस्फेट उर्वरक का पहला कारखाना 1906 ई. में तमिलनाडु के रानीपेट नामक स्थान पर स्थापित किया गया था।
- 1944 ई. में कर्नाटक के बैलेगुला नाम स्थान पर मैसूर केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स के नाम से अमोनिया उर्वरक का कारखाना लगाया गया।
- भारतीय उर्वरक निगम की स्थापना 1951 ई. में की गयी, जिसके तहत एशिया का सबसे बड़ा उर्वरक सयंत्र सिन्दरी में स्थापित किया गया।
- भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा रासायनिक उर्वरक

उत्पादक एवं उपभोक्ता है।

- भारत में नाइट्रोजनी उर्वरक की खपत सबसे अधिक है।
- भारत के प्रमुख रासायनिक उर्वरक उत्पादक राज्य-

झारखंड	-	सिन्दरी।
बिहार	-	बरौनी।
उत्तर प्रदेश	-	कानपुर, गोरखपुर, इलाहाबाद (फूलपुर)।

जलयान-निर्माण उद्योग

- भारत में जलयान-निर्माण का प्रथम कारखाना 1941 ई. में सिन्धिया स्टीम नेवीगेशन कंपनी द्वारा विशाखापत्तनम में स्थापित किया गया था। 1952 ई. में भारत सरकार द्वारा इसका अधिग्रहण करके हिन्दुस्तान शिपयार्ड विशाखापत्तनम नाम दिया गया है।
- सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य इकाइयां जो जलयानों का निर्माण करती हैं-
  (i) गार्डेनरीच वर्कशॉप लि.-कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
  (ii) गोवा शिपयार्ड लि.-गोवा
  (iii) मंझगांव डाक लि.-मुम्बई (महाराष्ट्र)।

वायुयान-निर्माण उद्योग

- भारत में वायुयान-निर्माण का प्रथम कारखाना 1940 ई. में बंगलोर में हिन्दुस्तान एअरक्राफ्ट कम्पी के नाम से स्थापित किया गया है। अब इसे हिन्दुस्तान एअरोनॉटिक्स लि. के नाम से जाना जाता है। आज बंगलोर में ही इसकी पांच इकाइयां तथा कोरापुट कोरावां नासिक, बैरकपुर, लखनऊ, हैदराबाद तथा कानपुर में एक-एक इकाइयां वायुयानों के निर्माण-कार्य में संलग्न हैं।

मोटरगाड़ी उद्योग

- मोटरगाड़ी उद्योग को विकास उद्योग के नाम से जाना जाता है।
- इस उद्योग से संबंधित प्रमुख इकाइयां है- हिन्दुस्तान मोटर (कोलकाता), प्रीमीयर क. लि. (जमशेदपुर), महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा लि. (पुणे), मारुति उद्योग लि. गुड़गांव (हरियाणा), सनराइज इण्डस्ट्रीज (बंगलौर)।

शीशा उद्योग

- भारत में शीशा उद्योग का केन्द्रीयकरण रेल की सुविधा वाले स्थानों में देखने में मिलता है। इस उद्योग का विकास मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु राज्य में हुआ है।
- फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद भारत में शीशा उद्योग के महत्वपूर्ण केन्द्र हैं।
- शीशा उद्योग के महत्वपूर्ण केन्द्र-

पश्चिम बंगाल	बेलगछिया, सीतारामपुर, रिसड़ा, बर्द्धवान, रानीगंज एवं आसनसोल।
उत्तर प्रदेश	नैनी (इलाहाबाद), रामनगर (वाराणसी), बहजोई (मुरादाबाद), बालाबाली (बिजनौर) एवं फिरोजाबाद।
झारखंड	काण्ड्रा (जमशेदपुर), भुरकुण्डा (हजारीबाग), धनबाद।
बिहार	पटना एवं कहलगांव।
महाराष्ट्र	मुम्बई, पुर्ण, दादार, सतारा, शोलापुर एवं नागपुर।
गुजरात	बड़ौदा, मौरवी।
राजस्थान	जयपुर।
अन्य	अम्बाला, अमृतसर, हैदराबाद, जबलपुर बंगलौर एवं गुवाहाटी।

दवा-निर्माण उद्योग

- प्रमुख स्थान - मुम्बई, दिल्ली, कानपुर, हरिद्वारा, ऋषिकेश, अहमदाबाद, पुणे, पिम्परी (पेन्सिलीन), मथुरा, हैदराबाद आदि।

अभियान्त्रिकी उद्योग

- प्रमुख स्थान - हटिया (रांची), दुर्गापुर, विशाखापत्तनम, नैनी (इलाहाबाद), बंगलौर, अजमेर, जादवपुर (कोलकाता) आदि।

रेल उपकरण उद्योग

- भारत रेल के इंजनों, सवारी डिब्बों तथा माल ढोने वाले डिब्बों के निर्माण में पूर्णतया: आत्मनिर्भर है।
- चितरंजन (पश्चिम बंगाल) रेल के इंजन बनाने का सबसे पुराना कारखाना है। इस कारखानें की स्थापना 26 जनवरी, 1950 के दिन चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स के नाम से हुई। वर्तमान में वहां विद्युत् इंजन का निर्माण वाराणसी में होता है।
- डीजन से चलने वाले इंजनों का निर्माण वाराणसी में होता है।
- रेलवे इंजन निर्माण का कार्य जमशेदपुर (झारखंड) में भी होता है।
- रेल के डिब्बे बनाने का प्रमुख केन्द्र चेन्नई के समीप पैराम्बूर नामक स्थान पर सन् 1925 स्थापित किया गया है। इसके अन्य प्रमुख केन्द्र बंगलौर तथा कोलकाता है। पंजाब

के कपूरथला में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री की स्थापना की गई।

बिजली के सामान- भोपाल, हरिद्वारा (रानीपुर), हैदराबाद के निकट रामचन्द्रपुरम, तिरुचिरापल्ली एवं कोलकाता।

टेलीफोन उद्योग-बंगलौर एवं रूपनारायणपुर (कोलकाता)।

ऊनी वस्त्र

- भारत में ऊन की पहली मिल 1870 ई. में कानपुर में स्थापित की गई, परन्तु इस उद्योग का वास्तविक विकास 1950 ई. के बाद ही हुआ है।
- वर्तमान समय में ऊनी वस्त्र उद्योग मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं गुजरात राज्यों में स्थित हैं।
- ऊनी वस्त्र के महत्वपूर्ण केन्द्र :

  उत्तर प्रदेश- मिर्जापुर, आगरा, मुजफ्फरनगर, शाहजहांपुर,

  पंजाब - अमृतसर, धारीवाल।
- ब्रिटेन, यू. एस. ए., कनाडा, जर्मनी आदि भारतीय कालीनों के महत्वपूर्ण आयातक हैं।

रेशम उद्योग

- भारत एक ऐसा देश है, जहां शहतूती, एरी, तसर एवं मूंगा सभी चार किस्मों की रेशम का उत्पादन होता है।
- भारत का दो-तिहाई शहतूती रेशम कर्नाटक से प्राप्त होता है।
- गैर शहतूती रेशम मुख्यत: असम, बिहार और मध्य प्रदेश से प्राप्त होता है।
- रेशम उद्योग के प्रमुख केन्द्र :

  जम्मू-कश्मीर-श्रीनगर, जम्मू, उधमपुर अनन्तनाग, वारामूला।

  पंजाब -अमृतसर, गुरूदासपुर, होशियारपुर, लुधियाना।

  उत्तर प्रदेश -मिर्जापुर, वाराणसी, शाहजहांपुर,।

  पश्चिम बंगाल -मुर्शिदाबाद, बांकुड़ा, हावड़ा, चौबीस परगना

परमाणु विद्युत

- भारत में परमाणु ऊर्जा अनुसंधान के जनक डॉ. होमी जहॉगीर भाषा के प्रयासों के फलस्वरूप 1948 में स्थापना हुई
- 1954 में परमाणु ऊर्जा विभाग की स्थापना हुई।
- भारत का पहला परमाणु अनुसंधान अप्सरा मुम्बई के निकट ट्रॉम्बे में कार्यशील हुआ।
- भारत का पहला परमाणु विद्युत ग्रह 1969 में महाराष्ट्र में तारापुर में स्थापित किया गया।

प्रमुख केन्द्र	अवस्थिति	विशेषता
तारापुर	मुम्बई (महाराष्ट्रा)	(1) भारत का प्रथम परमाणु विद्युत ग्रह (2) एशिया का सबसे बड़ा ग्रह
रावत भाटा	कोटा (राजस्थान)	कनाडा के सहयोग से
कलपम्कम	चेन्नई तमिलनाडु	(1) देशी साज-समान प्रयुक्त करने वाली प्रथम परियोजना
नरौरा	बुलन्दशाह (उत्तरप्रदेश)	
कुम्हारिया	फतेहाबाद (हरियाणा)	
काकरापारा	सूरत (गुजरात)	
जैतपुरा	रत्नागिरि (महाराष्ट्र)	फ्रांस के सहयोग से प्रस्तावित
कैग व जगतपुरा	कर्नाटक	रूस के सहयोग
कुडनकुलम	तमिलनाडु	